संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-10 शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,
शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016
फोनः 0755-2550976 0755-2671017
ई-मेल : srote@eklavya.in, srotefeatures@gmail.com
www.eklavya.in

स्रोत

विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

अगस्त 2015
वर्ष-9 अंक-08 (पूर्णांक 319)

संपादक
सुशील जोशी

सहायक संपादक
अफसाना पठान

आवरण डिज़ाइन
कनक शशि

उत्पादन सहयोग
इंदु नायर, कमलेश यादव
राकेश खत्री, ब्रजेश सिंह

वितरण
सुमेश दास

वार्षिक चंदा
व्यक्तिगत 150 रुपए
संस्थागत 300 रुपए
एक प्रति 15 रुपए
चंदे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें।

नगदीहीन समाज के 4 खतरे		2
मौत से बचे मगर बीमार हुए		2
दुनिया का पहला जलवायु परिवर्तन मुकदमा		3
अश्लील तस्वीरों पर गूगल का अहम फैसला		4
बेमिसाल तकनीकें बदल देगी ज़िन्दगी	संध्या रायचौधरी	5
नर और मादा में दर्द की अलग-अलग अनुभूति		8
घंटीनुमा घोंसले बनाती जल मकड़ी	संध्या रायचौधरी	9
अस्थि मज्जा की खोजबीन एक मक्खी के ज़रिए	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	11
स्मार्ट गोलियां और जीवन का अर्थ		13
बेरोज़गारी पर मनोरोग का लेबल न लगाएं		13
मां से बच्चे को एड्स प्रसार रोकने में क्यूबा प्रथम		14
पर्यावरण जागरूकता से वातावरण सुधरता है		15
गर्माता हिंद महासागर मानसून को कमज़ोर करता है		15
3-डी छपाई - निर्माण की एक तकनीक	भास्वर लोचन	17
विश्व के एक अरब लोग हो जाएंगे बहरे!	डॉ. महेश परिमल	20
प्लूटो के चांद के कुछ अनोखे तथ्य		22
बहु-कोशिकीय जीव कैसे बने?		22
प्रकाश की मदद से स्वर यंत्र को खोलें		23
एक-कोशिकीय जंतु की अनोखी आंख		24
स्वच्छता अभियान बनाम गंदगी का उत्पादन	डॉ. रामप्रताप गुप्ता	25
पोषण वैज्ञानिकः गुमनाम हीरो	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	28
पहाड़ चढ़ने वाली मछली महशीर	नरेन्द्र देवांगन	29
बहुत प्राचीन है मगरमच्छ वंश	डॉ. अरविन्द गुप्ते	31
संकट में हैं इंसान के वफादार मित्र	भारत डोगरा	34
क्यों कुछ लोग खब्बू होते हैं	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	35
घोंघे की विदाई महाविलोप का संकेत है		37

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है। यहां प्रकाशित सामग्री का उपयोग गैर व्यावसायिक कार्यों के लिए करने हेतु किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। स्रोत का उल्लेख अवश्य करें।